तैयारी | राज्य में जल्द ही 200 मेगावाट क्षमता का सोलर एनर्जी बैटरी स्टोरेज सिस्टम स्थापित किया जाएगा

सौर ऊर्जा संयंत्रों से रात में भी बिजली आपूर्ति होगी

लखनऊ, विशेष संवाददाता। यूपी में सौर ऊर्जा संयंत्रों से उत्पादित होने वाली बिजली को रात के समय भी सप्लाई करने की व्यवस्था प्रदेश सरकार कर रही है। जिसके तहत राज्य में जल्द ही 200 मेगावाट क्षमता का सोलर एनर्जी बैटरी स्टोरेज सिस्टम स्थापित किया जाएगा। सोलर एनर्जी स्टोरेज सिस्टम में सूर्य की रोशनी से सोलर संयंत्रों से उत्पादित होने वाली बिजली को रात के समय जब बिजली की मांग अधिक होगी, उस समय सप्लाई किया जा सकेगा।

पीक आवर में बिजली की मांग पूरा करने में मिलेगी मदद: इस तरह के सोलर एनर्जी स्टोरेज स्थापित होने से पीक आवर में एक्सचेंज से महंगी बिजली खरीदकर सप्लाई करने से राहत मिल जाएगी। सोलर संयंत्रों से उत्पादित सस्ती बिजली स्टोरेज किए जाने की क्षमता बढ़ने पर राज्य सरकार सस्ती बिजली देने के अपने लक्ष्य को पूरा करने में सक्षम हो सकेगी। अपर मुख्य सचिव ऊर्जा नरेंद्र भूषण के मुताबिक 200 मेगावाट क्षमता की सोलर एनर्जी बैटरी स्टोरेज के लिए टेंडर की प्रक्रिया शुरू की गई है। इसे जल्द से जल्द स्थापित किया जाएगा। वहीं उत्तर प्रदेश पावर कारपोरेशन के चेयरमैन डा. आशीष कुमार गोयल का कहना है कि कुछ राज्यों में सौर ऊर्जा का उपभोग रात में करने के लिए स्टोरेज सिस्टम स्थापित किए गए हैं। यूपी में स्टोरेज सिस्टम के स्थापित हो जाने पर पीक आवर जब बिजली की मांग बहुत अधिक होती है, उस समय बिजली देने में सुविधा हो जाएगी। टेंडर आमंत्रित किया गया है। हालांकि सूत्रों का कहना है कि सोलर एनर्जी बैटरी स्टोरेज सिस्टम की स्थापना बुंदेलखंड क्षेत्र में की जाएगी। वहां पर इसके लिए भूमि उपलब्ध है।

- सोलर एनर्जी बैटरी स्टोरेज सिस्टम के लिए टेंडर प्रक्रिया शुरू
- उत्पादित सौर ऊर्जा का भंडारण यहां किया जाएगा

राजस्व में खराब प्रदर्शन पर होगी कार्यवाही

लखनऊ। उत्तर प्रदेश पावर कारपोरेशन के चेयरमैन डॉ. आशीष कुमार गोयल ने मंगलवार को सभी डिस्कॉम के कार्यों की समीक्षा की। प्रबंध निदेशकों से कहा कि जिन क्षेत्रों में विद्युत राजस्व की प्रगति अच्छी नहीं है, वहां जिम्मेदारी तय करते हुए कार्यवाही करें। शक्तिभवन में आयोजित समीक्षा बैठक में उन्होंने बिजली बिल वसूली की प्रगति पर नाराजगी जताई।